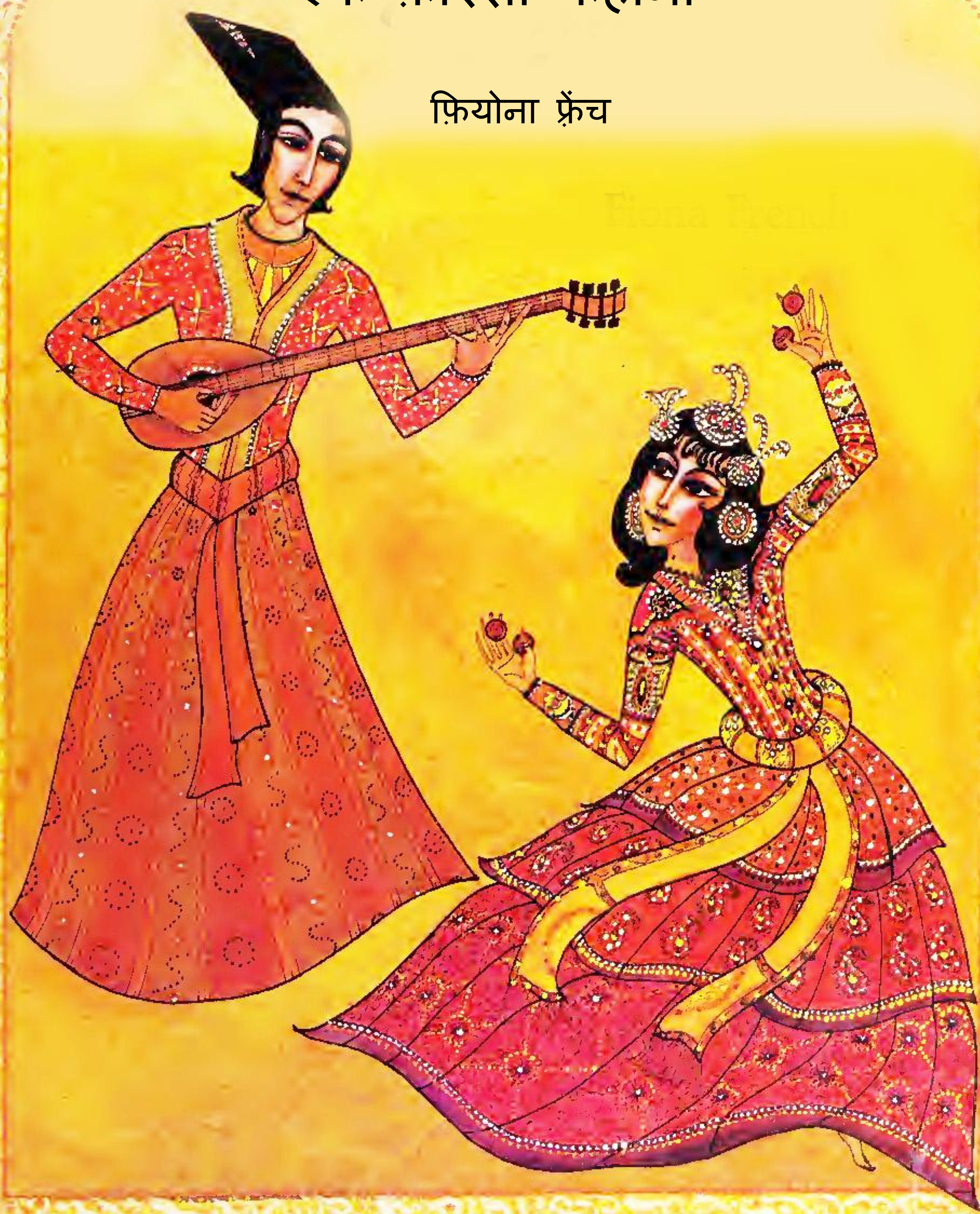
राजकुमारी और संगीतकार

एक फ़ारसी कहानी

फ़ियोना फ़्रेंच

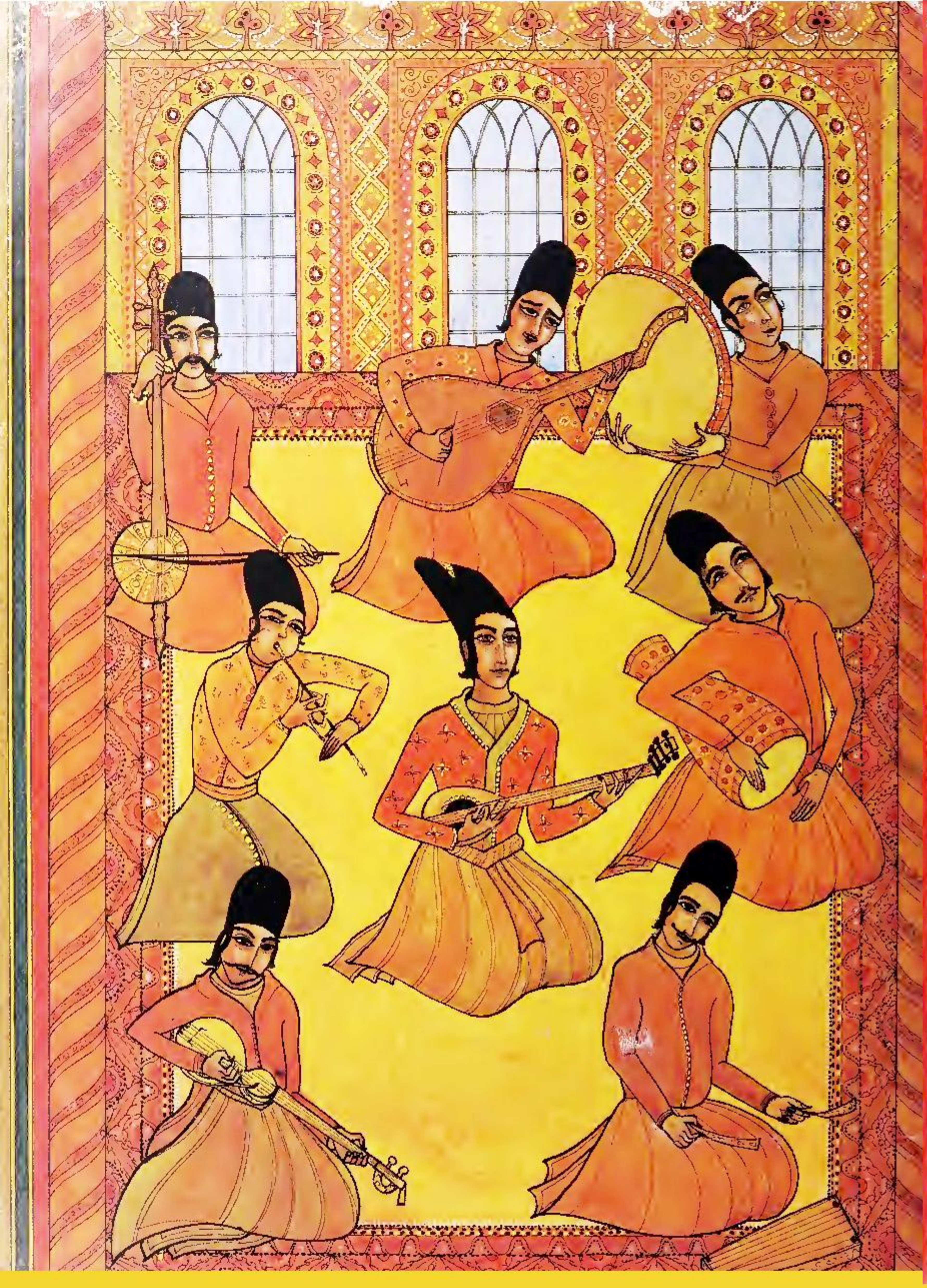


राजकुमारी और संगीतकार

एक फ़ारसी कहानी

फ़ियोना फ़्रेंच







एक बार यूसुफ़ नाम का एक युवा संगीतकार था, जो उस देश के सबसे महान और बुद्धिमान शाह के लिए अद्भुत संगीत बजाता था.

यूसुफ़ भव्य राजकीय जलसों के लिए जीत का संगीत बजाता था.





और वह शांतिपूर्ण घंटों के लिए, सुबह में आनंदमय संगीत और शाम को मधुर संगीत बजाता था.

यूसुफ़ एक अद्‌भुत संगीतकार था.

लेकिन यूसुफ़, शाह की खूबसूरत बेटी शिरीन के प्यार में पड़ने से खुद को रोक नहीं पाया.



जब दूसरे राजकुमार शिरीन से शादी के लिए हाथ माँगने आते तो यूसुफ़ उदास होकर देखता रहता. वह कोई राजकुमार, अमीर या शक्तिशाली व्यक्ति नहीं था और इसलिए वह शिरीन को अपने प्यार के बारे में कभी बता नहीं पाता था.



बहुत से राजकुमार, शिरीन के लिए बेहतरीन और महंगे उपहार लेकर आते. लेकिन यूसुफ़ के पास शिरीन को देने के लिए कुछ भी नहीं था क्योंकि वह केवल एक गरीब संगीतकार था.

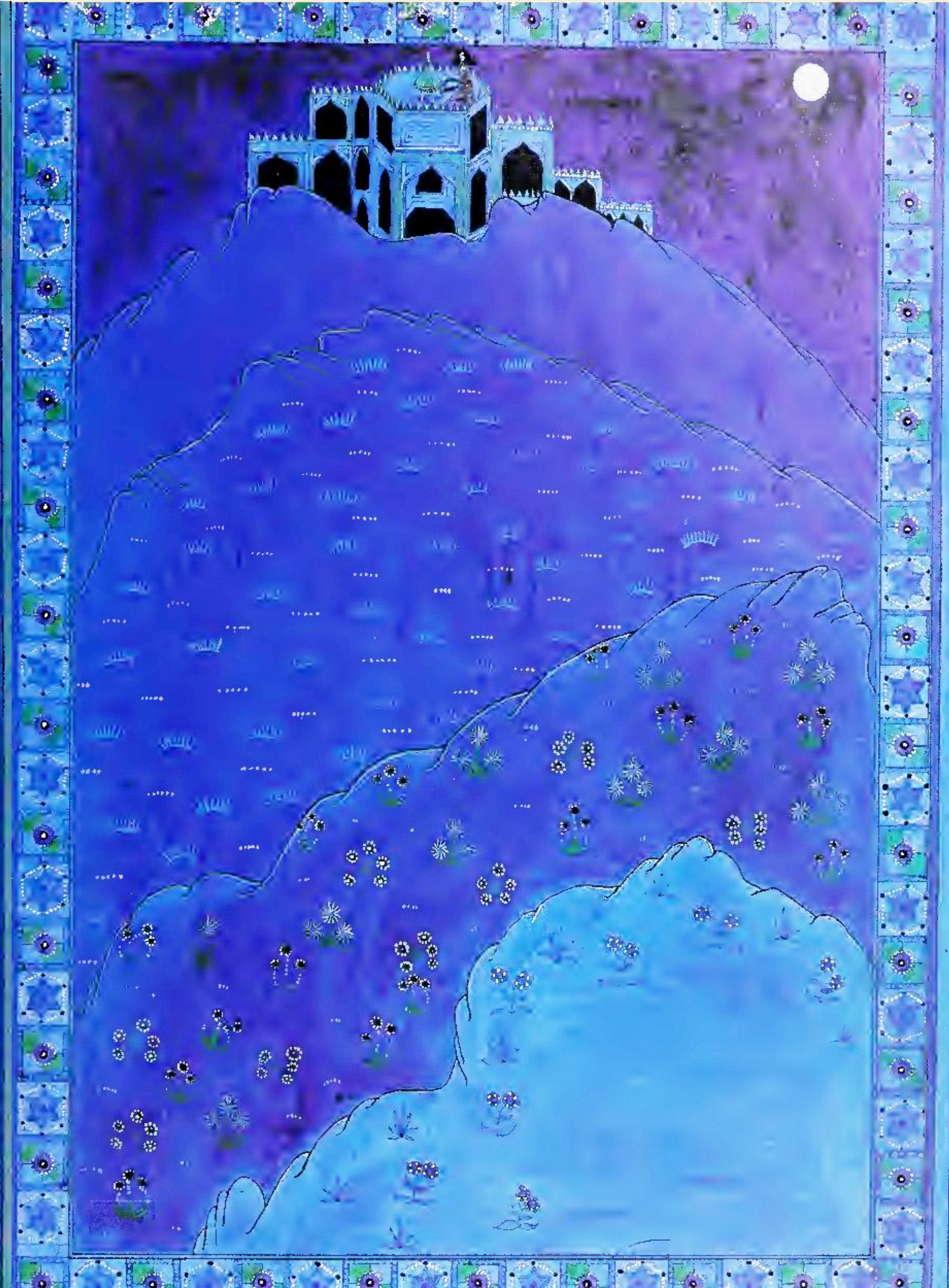




एक दिन काशान से एक राजकुमार आया. अन्य राजकुमारों की तरह, वह भी राजकुमारी शिरीन से विवाह करना चाहता था. उसके घोड़े रेशमी कालीनों और कीमती इत्र से लदे हुए थे, लेकिन वह अपनी माँ और बारह बहनों को भी अपने साथ लाया था.

उसे देख शाह ने शाह ने अपना सिर हिलाते हुए कहा, “मेरी बेटी इतनी सारी महिलाओं के बीच तुम्हारे घर में स्वतंत्र नहीं रह सकेगी.”

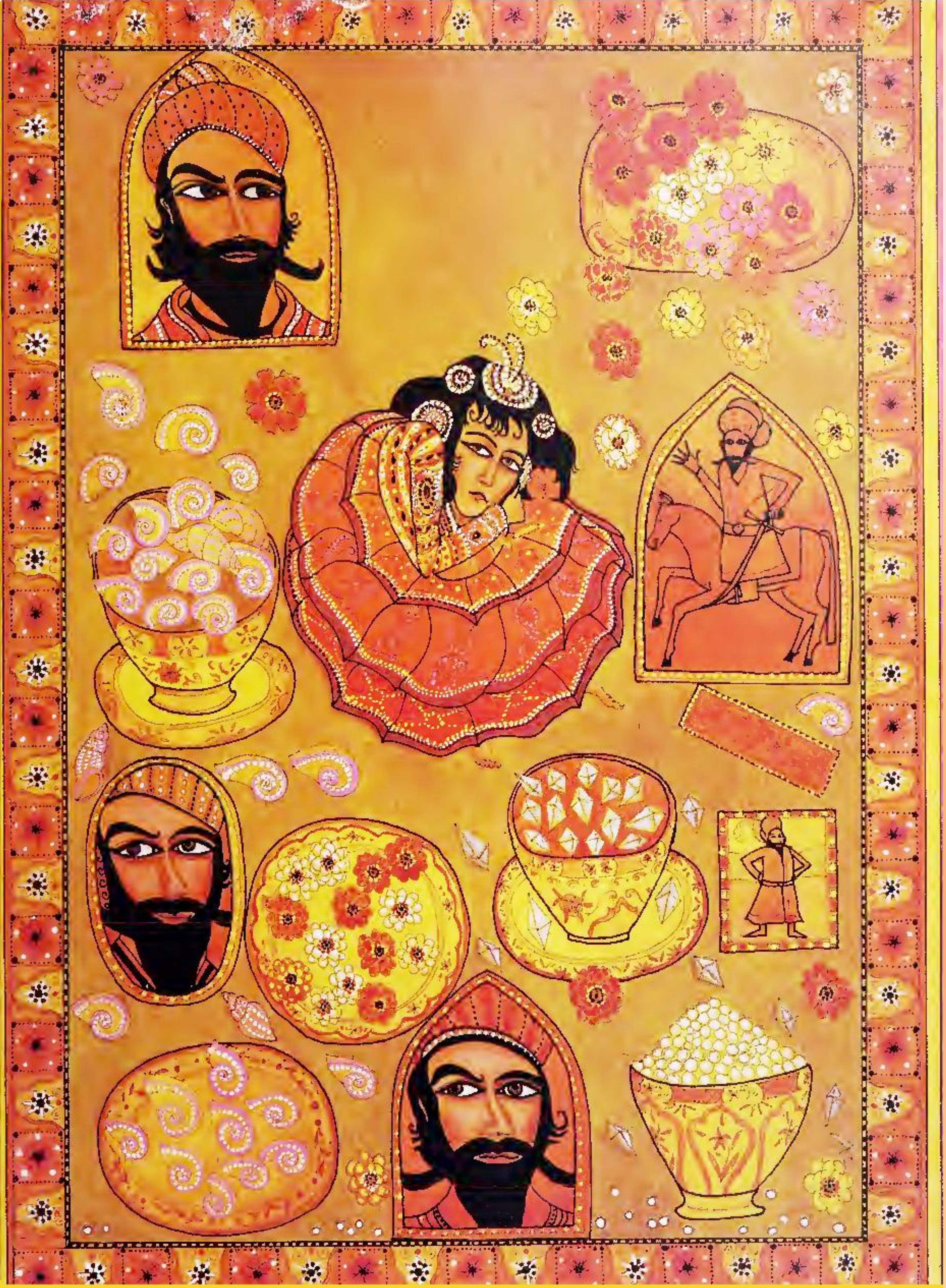




तबरीज़ से एक और राजकुमार आया. वो अपने साथ चाँदी और सोने से लदे ऊँट और खच्चर लाया.

लेकिन शाह ने उसे देखकर कहा, "तुम बहुत दूर रहते हो. मुझे यह कैसे पता चलेगा कि तुम मेरी बेटी की ठीक-ठाक देखभाल कर रहे हो?"





एक दिन शिराज से एक शक्तिशाली राजकुमार आया. वह सुंदर गुलाबों की टोकरियाँ, हाथीदांत की मूर्तियां, नाज़ुक नक्काशीदार सीप, चमकते क्रिस्टल, मोती और फ़िरोज़ा लाया. यूसुफ ने ऐसा लुभावना खजाना पहले कभी नहीं देखा था.

दरबारी एक-दूसरे के कान में फुसफुसाए, “निश्चित रूप से यह राजकुमार उपयुक्त रहेगा.”

लेकिन शाह ने उस राजकुमार से कहा, "मेरी बेटी तुम्हारे लिए एक और खूबसूरत संपत्ति होगी," और उन्होंने उसे भी वापिस भेज दिया.

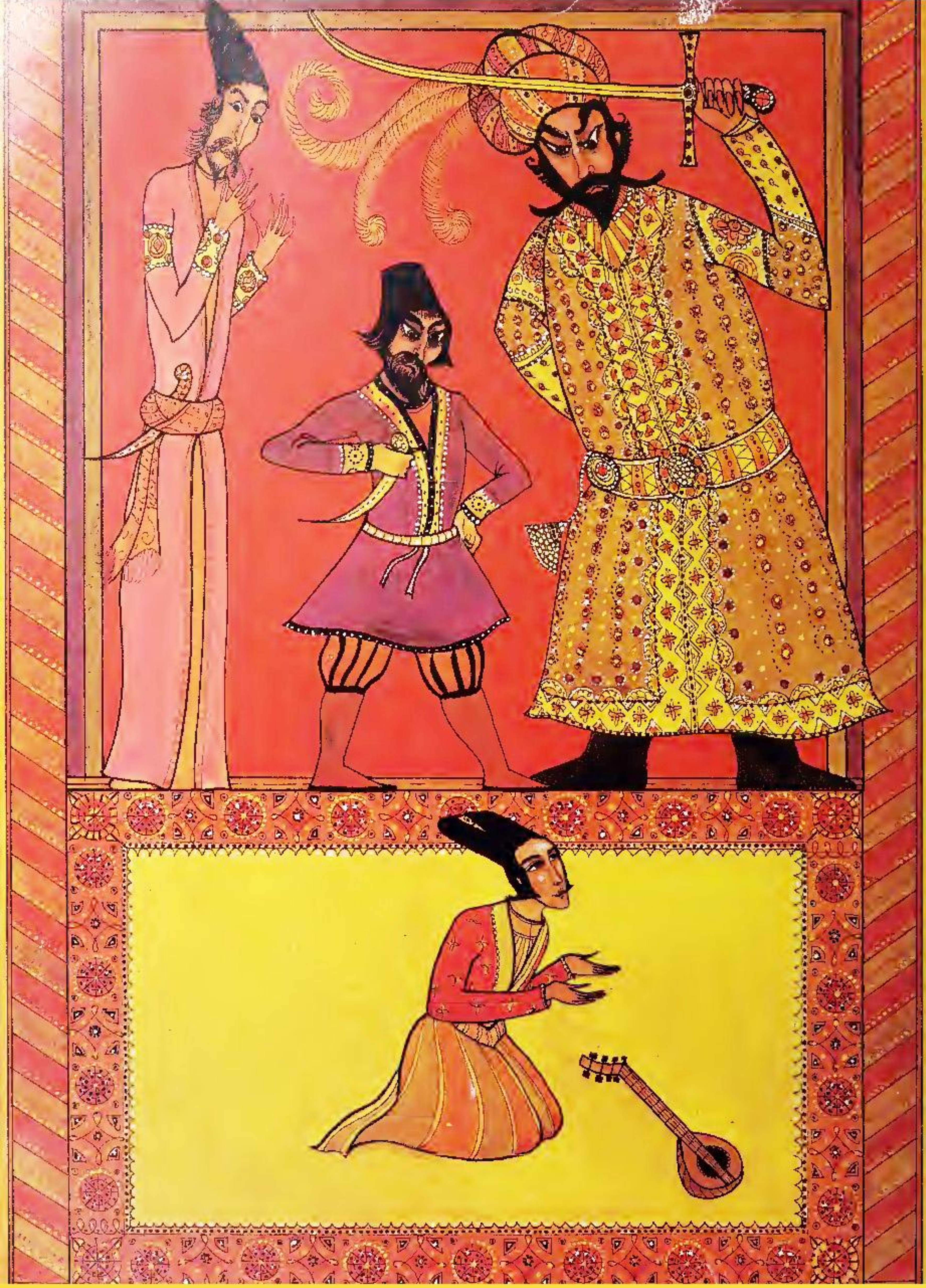




बगीचे में अकेली रह गई राजकुमारी शिरीन ने खुद से एक आह भरी, "मालूम नहीं कौन सही राजकुमार होगा?"

यूसुफ ने शिरीन की बातें सुनीं.

"दुखी मत हो," उसने कहा. "मेरे पास भी तुम्हारे लिए एक उपहार है."



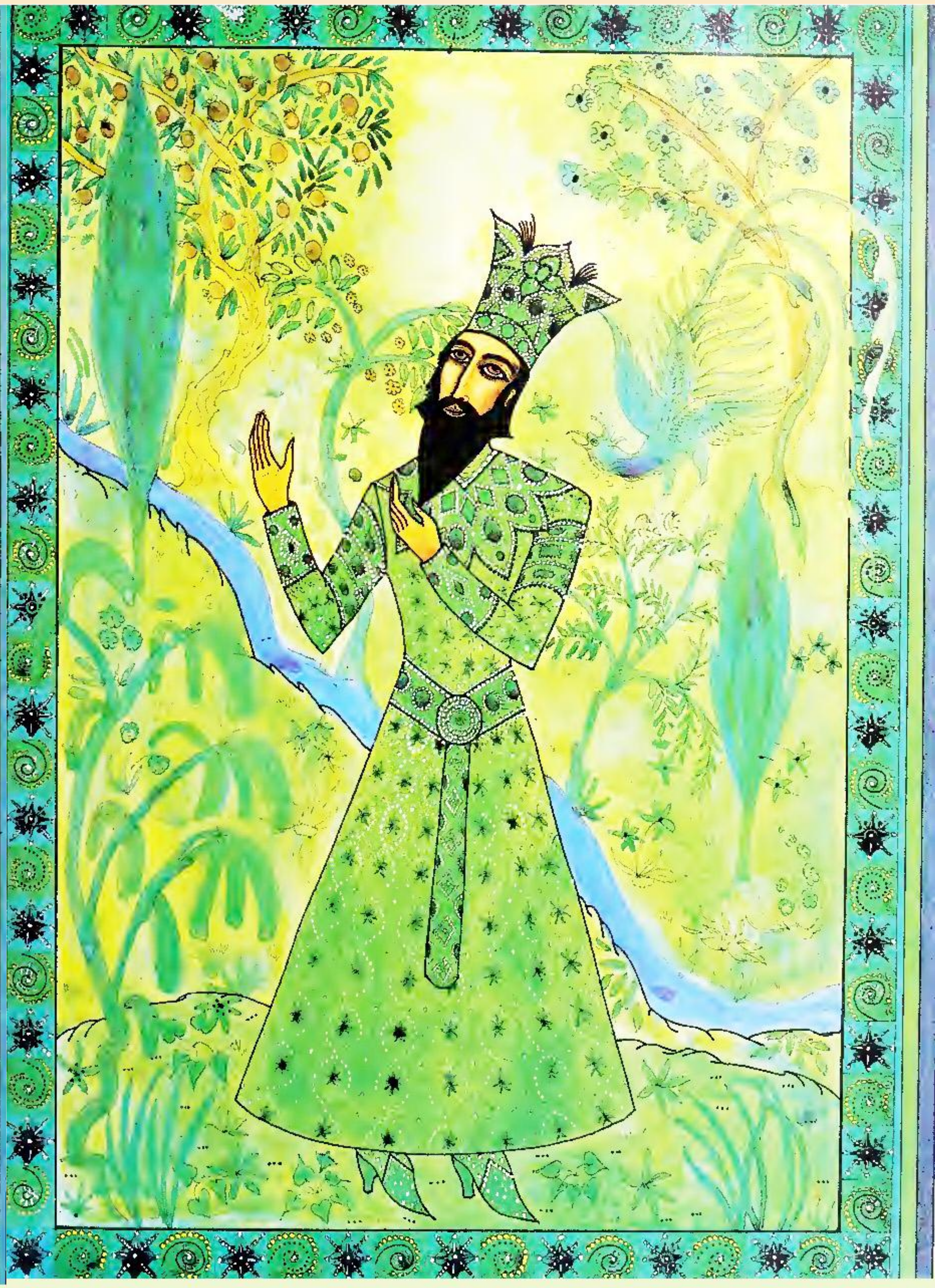


फिर यूसुफ शाह के पास गया और उसने झुककर कहा, "मेरे पास न तो सोना है, न ही धन और न ही शक्ति, लेकिन अगर मैं एक ऐसा गीत गाऊं जो आपको सभी चिंताओं, परेशानियों और दुखों से मुक्त कर दे, तो क्या मैं आपकी बेटी से शादी कर सकता हूं?"

शाह हैरान रह गया. "केवल एक गीत?" उसने पूछा.
"हाँ," यूसुफ ने उत्तर दिया.
"चलो, तुम वो गीत मेरे लिए गाओ," शाह ने कहा.



यूसुफ ने शिरीन के लिए अपने प्रेम के बारे में एक गीत गाया. यूसुफ का गायन इतना सुंदर था कि उसने शिरीन का दिल जीत लिया.



जैसा कि यूसुफ ने कहा था, संगीतकार का मनमोहक गीत सुनते ही सबसे महान और बुद्धिमान शाह की सारी चिंताएँ दूर हो गईं.

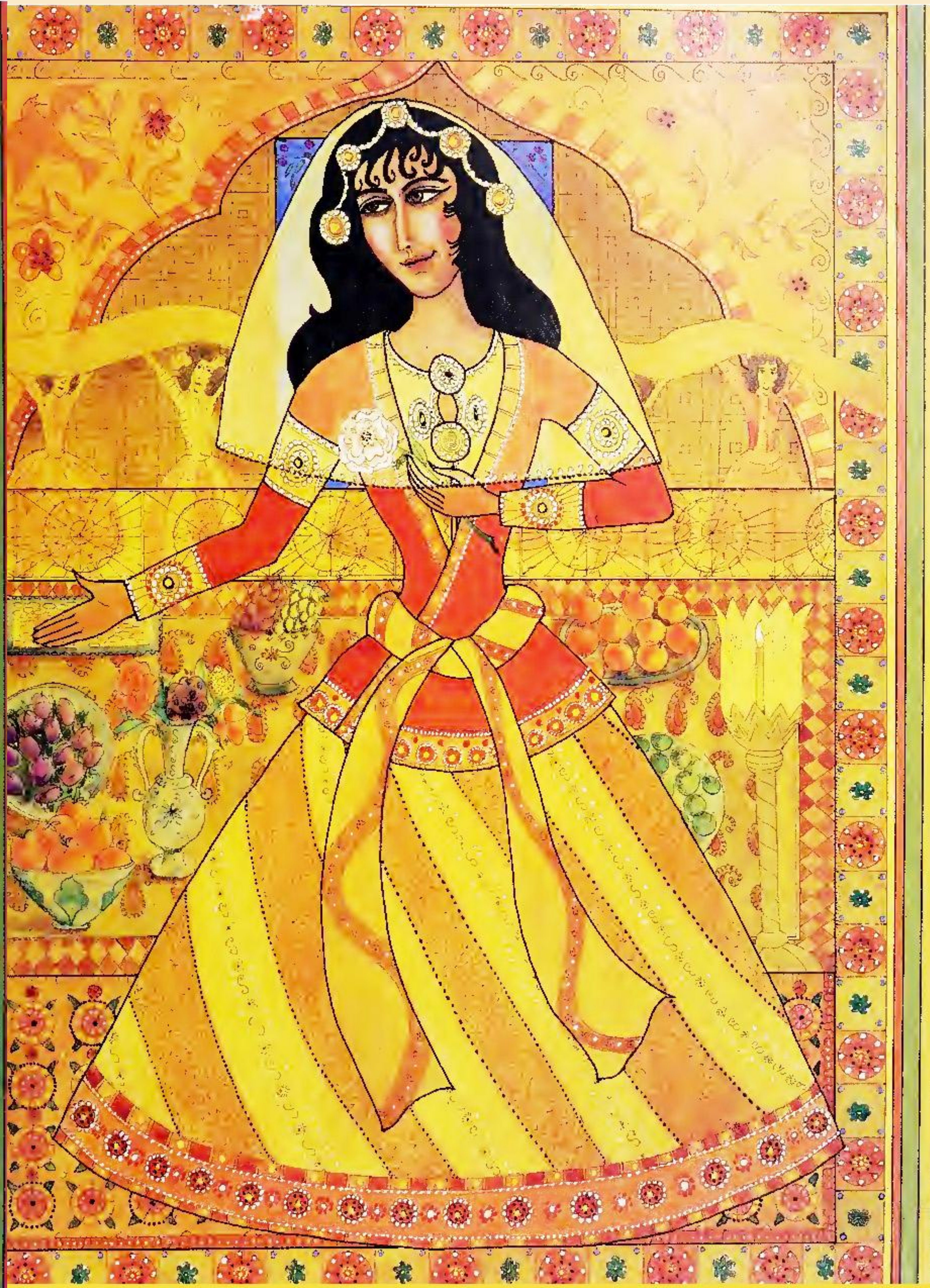


दरबारियों ने आह भरी और सोचा कि वे ज़न्नत के बारे में सोच रहे थे. संगीत ख़त्म होने के बाद कुछ देर एकदम सन्नाटा छा गया.



फिर शाह खुशी से मुस्कुराए और उन्होंने कहा, "तुम मेरी बेटी से प्यार करते हैं - वो सबसे बेहतरीन उपहार है. तुम्हारा संगीत उसे हमेशा खुश रखेगा."





फिर संगीतकार यूसुफ ने राजकुमारी शिरीन से विवाह किया.

प्रेम और मधुर गीत की सुंदरता से बंधे हुए, वे हमेशा खुशी से रहे.



